

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 28 September 2026

शून्य से सशक्तिकरण तक : अंकुश पाटील की संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक यात्रा

Publisher

Published on 30 Jan 2026



“यश एक रात में नहीं मिलता, वह कई रातों की मेहनत, असफलताओं और आत्मसंघर्ष का परिणाम होता है।”

अंकुश पाटील की जीवन यात्रा इसी सत्य का सजीव उदाहरण है। अत्यंत साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर आज वे ग्रामीण डिजिटल सशक्तिकरण और कौशल विकास के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक नाम बन चुके हैं। उनकी कहानी उन लाखों युवाओं के लिए उम्मीद की किरण है, जो परिस्थितियों से हार मानने की कगार पर खड़े होते हैं।

ग्रामीण पृष्ठभूमि और संघर्ष की शुरुआत

अंकुश पाटील का जन्म एक आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीण परिवार में हुआ। माता-पिता शेतमजूर थे और दो वक्त की रोटी जुटाना भी चुनौती भरा था। ऐसे हालात में शिक्षा का सपना देखना अपने आप में एक संघर्ष था।

गांव में उच्च शिक्षा की सुविधा न होने के कारण 10वीं के बाद उन्हें शहर का रुख करना पड़ा। रहने के लिए स्थायी ठिकाना नहीं था—कभी मित्र की छोटी सी कमरे में शरण मिली, तो कभी समझौते भरी ज़िंदगी।

पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने ऑफिस में छोटे-मोटे काम किए—कुरियर पहुंचाना, दफ्तर की साफ-सफाई, सहायक कार्य—ताकि पढ़ाई जारी रख सकें। कई बार उपवास की नौबत आई, लेकिन शिक्षा का लक्ष्य आंखों के सामने स्पष्ट था। इन्हीं कठिन परिस्थितियों में उन्होंने 12वीं और स्नातक की पढ़ाई पूरी की।

अपयश, मानसिक दबाव और टूटने का दौर

डिग्री पूरी करने के बाद अंकुश ने सरकारी नौकरी को ही सफलता का एकमात्र रास्ता माना। लगातार तीन वर्षों तक विभिन्न परीक्षाएं दीं, लेकिन हर बार असफलता हाथ लगी।

निराशा, सामाजिक दबाव, रिश्तेदारों के ताने और आर्थिक तंगी ने मानसिक संतुलन को डगमगाने लगा। कई बार उन्होंने सब कुछ छोड़ देने तक का विचार किया।

इसी दौर में प्रेरणादायक विचारों और “अपयशी विद्यार्थियों को बधाई” जैसे संदेशों ने उनके सोचने का नजरिया बदला। उन्हें समझ आया कि असफलता अंत नहीं, बल्कि दिशा बदलने का संकेत हो सकती है।

नई सोच, नया लक्ष्य और उद्यमिता की शुरुआत

असफलताओं से टूटने के बजाय अंकुश ने अपनी रणनीति बदली। उन्होंने यह स्वीकार किया कि सफलता बाहर नहीं, भीतर से जन्म लेती है।

उन्होंने नौकरी पर निर्भर रहने के बजाय खुद का कुछ करने का निर्णय लिया।

ग्रामीण क्षेत्र में **डिजिटल साक्षरता, वित्तीय जागरूकता, रोजगार मार्गदर्शन और कृषि-तकनीक** को लेकर कुछ नया करने का सपना उन्होंने देखा। पूंजी नहीं थी, लेकिन आत्मविश्वास और परिवार का सहयोग था। माता-पिता के साथ मिलकर उन्होंने एक छोटे से **डिजिटल सेवा केंद्र** की शुरुआत की।

इस केंद्र के माध्यम से वे किसानों को सरकारी योजनाओं, आधुनिक खेती, डिजिटल सेवाओं और तकनीकी जानकारी देने लगे।

संघर्ष से विश्वास तक : सफलता का टर्निंग पॉइंट

शुरुआत में गांव वालों को उन पर भरोसा नहीं था। लेकिन जब एक किसान ने उनकी सलाह से आधुनिक तकनीक अपनाकर उत्पादन बढ़ाया, तब धीरे-धीरे विश्वास बनने लगा।

अंकुश ने दिन-रात मेहनत की और ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं के उपयोग को बढ़ावा दिया।

लगातार प्रयासों का नतीजा यह हुआ कि वर्षों में उनका छोटा डिजिटल सेवा केंद्र एक **ग्रामीण कौशल विकास केंद्र** में बदल गया।

आज की पहचान और सामाजिक प्रभाव

आज, 12 वर्षों की मेहनत के बाद, अंकुश पाटील का यह केंद्र सैकड़ों ग्रामीण युवाओं, किसानों और शेतमजूरों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

यह केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि ग्रामीण समाज को आत्मनिर्भर बनाने का एक मजबूत मंच बन चुका है।

अंकुश के लिए सफलता का अर्थ केवल आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि अपने संघर्ष के अनुभव से दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है।

अंकुश पाटील की सफलता की कहानी यह सिद्ध करती है कि आप कहां से आए हैं, यह मायने नहीं रखता—महत्वपूर्ण यह है कि आप कहां जाना चाहते हैं और उसके लिए कितना संघर्ष करने को तैयार हैं।

परिस्थितियों से डरने के बजाय जब उन्हें अनुभव में बदला जाता है, तब ही असली सफलता मिलती है।

उनकी यात्रा यही संदेश देती है कि **संघर्ष से ही सफलता का रास्ता निकलता है**, और जब तक मंज़िल न मिले, तब तक प्रयास करना ही सच्ची जीत है।

सम्मान और पहचान

अंकुश पाटील की इस शानदार उपलब्धि को “**Maharashtra Business Icon 2025 / Maharashtra Style Icon 2025 / Maharashtra Fashion Icon 2025**” जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए चुना गया है। यह सम्मान **Reseal.in** और **India Fashion Icon Magazine** द्वारा उन उभरते उद्यमियों और रचनात्मक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए दिया जाता है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

भव्य पुरस्कार समारोह

इस पुरस्कार समारोह में कई प्रसिद्ध फिल्मी हस्तियाँ शामिल होंगी:

❑ **वर्षा उसगांवकर** – बॉलीवुड अभिनेत्री

❑ **सोनाली कुलकर्णी** – भारतीय अभिनेत्री

❑ **प्रार्थना बेहेरे** – भारतीय अभिनेत्री

यह आयोजन **श्री सुधीर कुमार पठाडे**, *Founder & CEO, Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd. (Reseal.in)* के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा, जो महाराष्ट्र के उद्यमियों और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच देने के लिए कार्यरत हैं

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.